[Total No. of Printed Pages : 3] अनुक्रमांक.....

DVK - 101

कर्मकाण्ड एवं मुहूर्त परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा (DVK-17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. शौच, दन्तधावन एवं स्नानविधि का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।

2. पंचमहायज्ञों में से किन्हीं तीन महायज्ञों का वर्णन कीजिए।

3. वेदों की अपौरुषेयता पर अपने पठित अंश के आधार पर निबन्ध लिखिए।

4. ऋग्वेद तथा यजुर्वेद का परिचय लिखिए।

5. पुराणों के वर्ण्य विषय पर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. अठारह पुराणों के नाम लिखिए।

2. सामवेद पर टिप्पणी लिखिए।

3. वास्तुशान्ति का वर्णन कीजिए।

4. कर्णवेध का चूड़ाकरण का परिचय देकर मुहूर्त का विश्लेषण लिखिए।

5. तिथि तथा वार को परिभाषित करके दोनों का महत्व लिखिए।

6. पितृयज्ञ तथा भूतयज्ञ का वर्णन कीजिए।

7. पंचांग किसे कहते हैं? इसके शुभाशुभ का फल लिखिए।

8. वरवरण तथा विवाह मुहूर्त पर टिप्पणी लिखिए।

****